PGDDM

आपदा प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा
(पी.जी.डी.डी.एम.)

सत्रीय कार्य 2021

(जनवरी 2021 और जुलाई 2021 सत्रों में
प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों के लिए)

समाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदानगढ़ी, नई दिल्ली–110068

आपदा प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

प्रिय छात्र/छात्राओ,

जैसा कि आपको आपदा प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम की कार्यक्रम दर्शिका में बताया ही जा चुका है कि आपको चार क्रेडिट वाले प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए एक अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.) करना होगा।

प्रत्येक सत्रीय कार्य में भाग–I और भाग–II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, किंतु प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्न अवश्य करने होंगे। आपको प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 400 शब्दों में देना होगा। आप यह देखेंगे कि सत्रीय कार्यों के प्रश्न विश्लेषणात्मक और वर्णनात्मक प्रकृति के हैं। इन्हें करने से आप अवधारणाओं को बेहतर तरीके से समझ सकेंगे।

सत्रीय कार्यों को करने से पहले कृपया कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें। यह महत्वपूर्ण है कि आप टी.एम.ए. के सभी प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखें। आपके उत्तर प्रत्येक प्रश्न के लिए निर्धारित की गई शब्द–सीमा के भीतर होने चाहिए। याद रखें, सत्रीय कार्य के प्रश्नों का उत्तर लिखने से आपकी लेखन शैली में सुधार होगा और ये आपको सत्रांत परीक्षा के लिए तैयार करेंगे।

सत्रीय कार्यों को आपने अध्ययन केंद्र के संचालक के पास जमा कराएँ। जमा कराए गए सत्रीय कार्यों की अध्ययन केंद्र से रसीद अवश्य प्राप्त कर लें और उसे अपने पास संभाल कर रखें। यह आवश्यक है कि आप सत्रीय कार्यों की एक फोटोप्रति भी अपने पास रखें।

सत्रीय कार्यों को मूल्यांकन के पश्चात अध्ययन केंद्र आपको वापस कर देगा। कृपया इस ओर विशेष ध्यान दें। अध्ययन केंद्र द्वारा अंकों को संबंधित क्षेत्रीय केंद्र को भेजना होता है और बाद में वे उन्हें विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, मैदान गढ़ी, नई दिल्ली के पास भेजते हैं।

प्रस्तुतीकरण

आपको सत्रीय कार्यों को निर्धारित तिथि तक जमा कराना होगा ताकि आप सत्रांत परीक्षा देने के पात्र हो सकें।

सत्रीय कार्यों को पूरा करके निम्नलिखित समय–सारणी के अनुसार भेजें :

सत्रीय कार्य संख्या	प्रस्तुति की तिथि	किसे भेजें
एम.पी.ए.–001 एम.पी.ए.–002 एम.पी.ए.–003 एम.पी.ए.–004 एम.पी.ए.–005 एम.पी.ए.–006 एम.पी.ए.–007 एम.ई.डी.–004 (केवल उन्हीं विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने परियोजना कार्य के स्थान पर इस पाठ्यक्रम को लिया है।)	जनवरी 2021 सत्र के लिए 30 सितंबर 2021 जुलाई 2021 सत्र के लिए 31 मार्च 2022	अपने निर्दिष्ट अध्ययन केंद्र के संचालक को

सत्रीय कार्य करने के निर्देश

हम आशा करते हैं कि आप सत्रीय कार्य में दिए गए निर्देशों के अनुसार अपने उत्तर लिखेंगे। सत्रीय कार्यों के उत्तर लिखते समय कृपया निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखें:

1) **योजना :** सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। सत्रीय कार्य के प्रश्न जिन इकाइयों पर आधारित हैं, उन्हें ध्यान से पढ़िए। प्रत्येक उत्तर के बारे में महत्वपूर्ण तथ्य नोट कर लें और फिर उन्हें तार्किक क्रम में व्यवस्थित कर लें।

2) **संगठन :** अपने उत्तर की कच्ची रूपरेखा बनाने से पहले कुछ बेहतर को चुनने और विश्लेषण करने का प्रयास कीजिए। उत्तर की प्रस्तावना और समाहार पर विशेष ध्यान दें।

   उत्तर लिखने से पूर्व यह सुनिश्चित कर लें कि :

   क) आपका उत्तर तर्कसंगत और सुसंगत हो
   ख) वाक्यों और अनुच्छेदों में स्पष्ट संबंध हो; और
   ग) उत्तर आपके भाव, शैली और प्रस्तुति के आधार पर सही हों।

3) **प्रस्तुतीकरण :** जब आप अपने उत्तर से संतुष्ट हो जाएँ तो जमा कराने के लिए सत्रीय कार्यों के प्रश्नों के उत्तर की स्वच्छ प्रति तैयार करें। **उत्तर साफ–साफ और अपनी हस्तलिपि में ही लिखें।** जिन बिंदुओं पर आप जोर देना चाहते हों, उन्हें रेखांकित कर दें। यह अवश्य सुनिश्चित कर लें कि आपका उत्तर निर्धारित शब्द–सीमा के भीतर ही हो।

शुभकामनाओं के साथ,

प्रो. उमा मेडूरी
प्रो. डौली मैथ्यू
(कार्यक्रम संयोजक)

एम.पी.ए.-001: प्राकृतिक आपदाओं को समझना
अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.पी.ए.-001
सत्रीय कार्य कोड : : एम.पी.ए.-001
ए.एस.टी./टी.एम.ए./2021
पूर्णांक : 50

प्रिय छात्र/छात्राओं

इस सत्रीय कार्य में भाग-I और भाग-II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं किंतु प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्न अवश्य कीजिए। प्रत्येक का उत्तर लगभग 400 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का है।

भाग – I

1. विभिन्न प्रकार की प्राकृतिक आपदाओं का वर्णन कीजिए। 10
2. भारत में आपदा प्रबंधन पर एक टिप्पणी लिखिए। 10
3. राजस्थान के आपदा प्रवण क्षेत्रों में आपदा न्यूनीकरण के लिए आप क्या उपाय सुझायेंगे? 10
4. 1999 के उड़ीसा महाचक्रवात तूफान के केस में राज्य सरकार की भूमिका का विश्लेषण कीजिए। 10
5. भूकम्पों के पूर्व अनुभवों के आधार पर सीखे गये पाठों को उजागर कीजिए। 10

भाग – II

6. भू–स्खलन के कारणों की चर्चा कीजिए तथा आपदा न्यूनीकरण के आवश्यक उपाय सुझाइये। 10
7. ज्वालामुखी संकट न्यूनीकरण तथा आपदा प्रबंधन के तरीकों का वर्णन कीजिए। 10
8. 'प्रभावी तटीय क्षेत्र प्रबंधन और अनुक्रिया कार्यनीतियाँ समुद्र तल में वृद्धि के प्रतिकूल प्रभावों को कम कर सकती हैं।' जाँच कीजिए। 10
9. शीत लहर और ऊष्म लहर के कारणों एवं प्रभावों की व्याख्या कीजिए। 10
10. कृषि पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव पर एक टिप्पणी लिखिए। 10

एम.पी.ए.-002: मानव - निर्मित आपदाओं को समझना
अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.पी.ए.-002
सत्रीय कार्य कोड : : एम.पी.ए.-002
ए.एस.टी./टी.एम.ए./2021
पूर्णांक : 50

प्रिय छात्र/छात्राओं

इस सत्रीय कार्य में भाग-I और भाग-II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं किंतु प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्न अवश्य कीजिए। प्रत्येक का उत्तर लगभग 400 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का है।

भाग – I

1. 'मानव–निर्मित आपदाओं में पूर्वानुमान और चेतावली की बहुत कम सम्भावना होती है।' चर्चा कीजिए। 10
2. रासायनिक आपदाओं के प्रमुख कारण और प्रभाव क्या हैं? 10
3. जैविक आपदाओं की संवेदनशीलता में योगदान देने वाले विशिष्ट कारकों का वर्णन कीजिए। 10
4. शहरी क्षेत्रों में विभिन्न प्रकार की भवनों में लगने वाली आग की व्याख्या कीजिये तथा आपदा न्यूनीकरण के लिए पालन किये जाने वाले आधारभूत ऐतीहाती उपायों को उजागर कीजिए। 10
5. कोयले में लगने वाली आग के कारणों और प्रभावों की चर्चा कीजिए। 10

भाग – II

6. दावानल (वन में लगने वाली आग) प्रबंधन में रोकथाम, संसूचन और अवमंदन महत्वपूर्ण चरण होते हैं। विस्तृत वर्णन कीजिए। 10
7. वायु प्रदूषण के पारिस्थितिक प्रभावों की चर्चा कीजिए। 10
8. वनोन्मूलन के कारणों एवं प्रभावों का वर्णन कीजिए। 10
9. सड़क दुर्घटनाओं के कारणों की जाँच कीजिए तथा इन आपदाओं के न्यूनीकरण के लिए आवश्यक उपाय सुझाइये। 10
10. विमान दुर्घटनाओं के संदर्भ में जोखिम न्यूनीकरण उपायों तथा आपदा–पश्चात् आवश्यकताओं को उजागर कीजिए। 10

एम.पी.ए.-003 : जोखिम आकलन और संवेदनशीलता विश्लेषण
अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.पी.ए.-003
सत्रीय कार्य कोड : : एम.पी.ए.-003
ए.एस.टी./टी.एम.ए./2021
पूर्णांक : 50

प्रिय छात्र/छात्राओं

इस सत्रीय कार्य में भाग-I और भाग-II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं किंतु प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्न अवश्य कीजिए। प्रत्येक का उत्तर लगभग 400 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का है।

भाग – I

1. संवेदनशीलता को परिभाषित कीजिए तथा उसके विभिन्न कारकों की चर्चा कीजिए। 10
2. जोखिम को परिभाषित कीजिये तथा जोखिम पर होने वाले विभिन्न तत्वों की चर्चा कीजिए। 10
3. आपदा जोखिम न्यूनीकरण में विज्ञान और प्रौद्योगिकी की भूमिका की चर्चा कीजिए। 10
4. जोखिम आकलन की विश्लेषणात्मक प्रणालियों की चर्चा कीजिए। 10
5. सहभागी जोखिम आकलन विधियों का परीक्षण कीजिए। 10

भाग – II

6. 'गरीबी और संवेदनशीलता सह–संबंधित हैं'। चर्चा कीजिए। 10
7. आपदा क्षति के सामाजिक–आर्थिक निर्धारकों को उजागर कीजिए। 10
8. 'शहरी योजना में विभिन्न मुद्दे सम्मिलित होते हैं।' टिप्पणी कीजिए । 10
9. भारत के विशेष संदर्भ में चक्रवात की तैयारी का वर्णन कीजिए। 10
10. खतरा प्रतिरोधी रचना तकनीकों पर एक टिप्पणी लिखिए। 10

एम.पी.ए.-004: आपदा तैयारी
अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.पी.ए.-004
सत्रीय कार्य कोड : : एम.पी.ए.-004
ए.एस.टी./टी.एम.ए./2021
पूर्णांक : 50

प्रिय छात्र/छात्राओं

इस सत्रीय कार्य में भाग-I और भाग-II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं किंतु प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्न अवश्य कीजिए। प्रत्येक का उत्तर लगभग 400 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का है।

भाग – I

1. प्रभावशाली आपदा प्रबंधन उपायों की चर्चा कीजिए। 10
2. आपदा प्रबंधन योजना की अवधारणा तथा महत्व पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए। 10
3. आपदा तैयारी की गतिविधियों में महिलाओं की भूमिका का विश्लेषण कीजिए। 10
4. 'समुदाय–आधारित तैयारी योजना को अपदा–पूर्व, आपदा के दौरान और आपदा–पश्चात् चरणों में होने वाली विभिन्न प्रकार की गतिविधियों की आवश्यता हाती है।' विस्तृत वर्णन कीजिए। 10
5. आपदा तैयारी के प्रोत्साहन में सूचन, शिक्षा, संचार और प्रशिक्षण के घटकों एवं कार्यनीतियों का परीक्षण कीजिए। 10

भाग – II

6. आपदा तैयारी में अंतर्राष्ट्रीय अभिकरणों की भूमिका का परीक्षण कीजिए। 10
7. आपदाओं के प्रबंधन में रिमोट सेंसिंग की भूमिका की चर्चा कीजिए। 10
8. 'आपदा न्यूनीकरण उपकरणों में रोकधाम के लक्ष्यों को संबोधित करने के उपाय सम्मिलित हैं' विस्तृत वर्णन कीजिए। 10
9. सामाजिक लागत–लाभ विश्लेषण पर एक टिप्पणी लिखिए। 10
10. निम्नलिखित में से प्रत्येक पर लगभग 200 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए। 10

    क) हैम रेडियो

    ख) जनसंचार प्रबंधन

एम.पी.ए.-005: आपदा प्रतिक्रिया
अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.पी.ए.-005
सत्रीय कार्य कोड : : एम.पी.ए.-005
ए.एस.टी./टी.एम.ए./2021
पूर्णांक : 50

प्रिय छात्र/छात्राओं

इस सत्रीय कार्य में भाग-I और भाग-II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं किंतु प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्न अवश्य कीजिए। प्रत्येक का उत्तर लगभग 400 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का है।

भाग – I

1. आपातकालीन योजनाओं के सक्रीयण में संचार और उसकी तकनीकों के महत्व की व्याख्या कीजिए। **10**
2. आपदा स्थितियों के दौरान किये गये विभिन्न प्रकार के आकलन की चर्चा कीजिये। **10**
3. राष्ट्रीय स्तर पर आपदा प्रतिक्रिया के प्रशासनिक ढाँचे का वर्णन कीजिए। **10**
4. आपदा स्थितियों में सशस्त्र बलों की तैनाती के स्वरूप का परीक्षण कीजिए। **10**
5. आपदाओं के प्रबंधन से युवा संगठनों की भूमिका पर एक टिप्पणी लिखिए। **10**

भाग – II

6. 'आपदा स्थितियों में मानव व्यवहार प्रबंधन एवं प्रतिक्रिया का अधिक महत्व हो जाता है।' विश्लेषण कीजिए। **10**
7. तनाव के लक्षणों एवं प्रकारों की चर्चा कीजिए। **10**
8. घबराहट की आवधारणा के व्यापक दृष्टिकोण को उजागर कीजिए। **10**
9. खाद्य सहायता के न्यूनतम मानकों का परीक्षण कीजिए। **10**
10. भारत में राहत प्रबंधन के महत्वपूर्ण पहलुओं पर एक टिप्पणी लिखिए। **10**

एम.पी.ए.–006 : आपदा चिकित्सा
सत्रीय कार्य
टीएमए

पाठ्यक्रम कोड : एमपीए– 006
सत्रीय कार्य कोडः एएसएसटी/टीएमए/2021
अंकः 50

इस सत्रीय कार्य में भाग–I और भाग–II हैं। प्रत्येक भाग में 5 प्रश्न हैं। आपको कुल पाँच प्रश्न के उत्तर 400 शब्दों (प्रत्येक) में देने हैं। ये आवश्यक है कि आपको प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्न करने होंगे। सभी प्रश्न 10 अंक के हैं।

भाग–I

1. महामारी रोग विज्ञान अध्ययन की विभिन्न प्रविधियों का चिकित्सा व स्वास्थ्य अनुक्रिया में वर्णन कीजिए। **10**
2. आपदा के दौरान जोखिम की रोकथाम के लिए स्वच्छता व सफाई कदमों पर प्रकाश डालिए। **10**
3. चिकित्सा तैयारी में अस्पताल योजना पर चर्चा कीजिए। **10**
4. साजो-समान प्रबन्धन के विभिन्न घटकों पर टिप्पणी कीजिए। **10**
5. दूर-दराज क्षेत्रों के चिकित्सा बुनियादी ढाँचा तथा आपदा स्थितियों में इन क्षेत्रों की सुविधाओं ओर बाधाओं का वर्णन कीजिए। **10**

भाग–II

6. 'आपदा स्थितियों समुदायों में जागरूकता लाने के लिए शिक्षा व प्रशिक्षण महत्वपूर्ण घटक हैं।' विस्तार पूर्वक वर्णन कीजिए। **10**
7. आपातकालीन स्थितियों में चिकित्सा व अर्द्ध-चिकित्सा कर्मचारियों के लिए नियत कार्यशैली पर टिप्पणी लिखिए। **10**
8. बाढ़ के प्रति चिकित्सा व स्वास्थ्य अनुक्रिया का वर्णन कीजिए। **10**
9. चिकित्सा व स्वास्थ्य अनुक्रिया में भौगोलिक सूचना प्रणाली व दूर संवेदी प्रौद्योगिकी की भूमिका का परीक्षण कीजिए। **10**
10. विभिन्न आगे की सेवाओं (follow-up services) पर चर्चा करें, जो तनाव के लक्षणों को कम करता है और आपदा उपरान्त पुनः सामायोजन को प्रोत्साहित करता है। **10**

एम.पी.ए.-007 : पुर्नवास, पुर्ननिर्माण और पुर्नरूथान
अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.पी.ए.-007
सत्रीय कार्य कोड : : एम.पी.ए.-007
ए.एस.टी./टी.एम.ए./2020-2021
पूर्णांक : 50

प्रिय छात्र/छात्राओं

इस सत्रीय कार्य में भाग-I और भाग-II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं किंतु प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्न अवश्य कीजिए। प्रत्येक का उत्तर लगभग 400 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का है।

भाग – I

1. आपदाओं और विकास के बीच संबंध का परीक्षण कीजिए। 10
2. आपदाओं के प्रबंधन में प्रभावी इलेक्ट्रानिक मीडिया के महत्व की चर्चा कीजिए। 10
3. संवेदनशीलता के विभिन्न मापदंडों पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए। 10
4. आपदा प्रबंधन में अंतर्राष्ट्रीय अभिकरणों की भूमिका का वर्णन कीजिए। 10
5. आवास और आधारभूत संरचनाओं पर बाढ़ के प्रभाव की व्याख्या कीजिए। 10

भाग – II

6. आपदा–रोधी निर्माण के लिए विभिन्न कोड मानकों पर एक टिप्पणी लिखिए। 10
7. आपदा पश्चात् पुननिर्माण में सरकारी तथा गैर–सरकारी अभिकरणों की भूमिका की चर्चा कीजिए। 10
8. आपदा पुनर्वास में जन भागीदारी के महत्व को उजागर कीजिए। 10
9. आपदा पुनरूत्थान नियोजन की अवधारणा की संक्षिप्त में चर्चा कीजिए। 10
10. सूचना प्रसारण में नागरिक समाज संगठनों की भूमिका की चर्चा कीजिए। 10